चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..... अमर उजाला .....
दिनांक 9.4.2019 पृष्ठ सं. ..... 3 ..... कॉलम ..... 3-7 .....

किसान की फसल उत्पादकता और मुनाफा अच्छी किस्म के बीज पर निर्भर : डॉ. महापात्रा

एचएयू में अखिल भारतीय समन्वित शोध परियोजना-राष्ट्रीय बीज परियोजना की बैठक हुई

एचएयू में आयोजित सेमिनार में अपने विचार रखते मुख्य वक्ता डॉ. त्रिलोचन महापात्रा व मंच पर उपस्थित अन्य अतिथि। अमर उजाला

एचएयू में आयोजित सेमिनार में उपस्थित प्रतिभागी। अमर उजाला

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में रविवार को अखिल भारतीय समन्वित शोध परियोजना-राष्ट्रीय बीज परियोजना (फसल) की 34वीं वार्षिक समूह बैठक एवं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की बीज परियोजना की 14वीं वार्षिक समीक्षा बैठक शुरू हुई। तीन दिवसीय इस बैठक में देश के 200 कृषि वैज्ञानिक भाग ले रहे हैं।

भारतीय बीज विज्ञान संस्थान, मऊ (उत्तर प्रदेश) तथा चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस तीन दिवसीय वार्षिक समूह बैठक में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. त्रिलोचन महापात्रा ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। उन्होंने उद्घाटन भाषण देते हुए उत्तम बीज को कृषि का आधार बताया। उन्होंने कहा किसान की फसल उत्पादकता और मुनाफा अच्छी किस्म के बीज पर निर्भर करते हैं और देश का खाद्यान्न भंडार बीज कार्यक्रम पर निर्भर करता है। इसी के मद्देनजर उत्तम किस्मों के बीजों का विकास करके किसानों को दिए जाते हैं। उन्होंने किसानों को उत्तम गुणवत्ता के बीज उपलब्ध करवाने के लिए बीजों की उपलब्धता के साथ नाभिक और प्रजनक बीजों की गुणवत्ता प्रबंधन पर जोर दिया। उन्होंने इस अवसर पर दो पुस्तकों का भी विमोचन किया।बीज विज्ञान एंव प्रौद्योगिकी विभाग के प्रभारी डॉ. वीपीएस सांगवान ने बताया कि इस तीन दिवसीय बैठक में कुल 10 तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे। इनमें उतम बीज उत्पादन, गुणवत्ता, प्रसंस्करण, परीक्षण, बीज रोग एवं कीट विषयों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। इस अवसर पर कुलपति के विशेष कार्य अधिकारी और कुलसचिव सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों के डीन, डायरेक्टर, विभागाध्यक्ष एवं वैज्ञानिक उपस्थित थे।

प्रजनक बीज उत्पादन बढ़ाने का आह्वान

कार्यक्रम में कृषि एवं सहकारिता विभाग भारत सरकार के संयुक्त सचिव (बीज) अश्विनी कुमार और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अतिरिक्त महानिदेशक (बीज) डॉ. देवेंद्र कुमार यादव विशिष्ट अतिथि थे। अश्विनी कुमार ने अपने संबोधन में कृषि वैज्ञानिकों से प्रजनक बीज उत्पादन बढ़ाने का आह्वान किया, जबकि डॉ. देवेंद्र कुमार यादव ने बीज अनुसंधान एवं बीज कार्यक्रम को प्राथमिकता दिए जाने पर बल दिया।

डॉ. अग्रवाल ने प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की

भारतीय बीज विज्ञान संस्थान मऊ के निदेशक डॉ. दिनेश कुमार अग्रवाल ने बीज परियोजना एवं शोध में 2018-19 की उपलब्धियों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की और देश में चल रही प्रजनक बीज उत्पादन इकाइयों के बारे में चर्चा की। इससे पूर्व हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने कृषि वैज्ञानिकों का स्वागत किया, जबकि कार्यक्रम के अंत में कृषि कॉलेज के डीन डॉ. केएस ग्रेवाल ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक ट्रिब्यून
दिनांक 8.4.2019 पृष्ठ सं. 3 कॉलम 1-5

हकृवि में जुटे 200 कृषि वैज्ञानिक

ज्यादा उत्पादन करने वाले बीज कराएंगे उपलब्ध

हिसार, 7 अप्रैल (निस)

किसान की फसल उत्पादकता और मुनाफा अच्छी किस्म के बीज पर निर्भर करते हैं। देश का खाद्यान्न भंडार बीज कार्यक्रम पर निर्भर करता है। इसी के मद्देनजर उत्तम किस्मों के बीजों का विकास करके किसानों को दिए जाते हैं। यह बात भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के महानिदेशक डॉ. त्रिलोचन महापात्रा ने अखिल भारतीय समन्वित शोध परियोजना-राष्ट्रीय बीज परियोजना (फसल) की 34वीं वार्षिक समूह की 3 दिवसीय बैठक में ही। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में देशभर से करीब 200 वैज्ञानिक भाग ले रहे हैं। यह बैठक कृषि वैज्ञानिक बैठक भारतीय बीज विज्ञान संस्थान, मऊ (उत्तर प्रदेश) तथा चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित की जा रही है।

पात्रा ने कहा कि किसानों को उत्तम गुणवत्ता के बीज उपलब्ध करवाने के लिए बीजों की उपलब्धता के साथ-साथ नाभिक और प्रजनक बीजों की गुणवत्ता प्रबंधन पर जोर दिया। उन्होंने इस अवसर पर दो पुस्तकों का भी विमोचन किया। कृषि एवं सहकारिता विभाग, भारत सरकार के संयुक्त सचिव (बीज) अश्विनी कुमार ने कृषि वैज्ञानिकों से प्रजनक बीज उत्पादन बढ़ाने का आह्वान किया, जबकि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के अतिरिक्त महानिदेशक(बीज) डॉ. देवेन्द्र कुमार यादव ने बीज अनुसंधान एवं बीज कार्यक्रम को प्राथमिकता दिये जाने पर बल दिया।

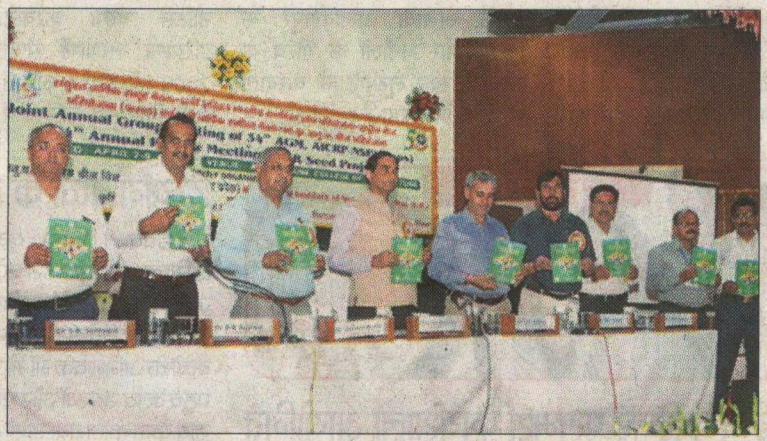

हिसार में रविवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के महानिदेशक डॉ. त्रिलोचन महापात्रा पुस्तक का विमोचन करते हुए। --निस

भारतीय बीज विज्ञान संस्थान, मऊ के निदेशक डॉ. दिनेश कुमार अग्रवाल ने बीज परियोजना एवं शोध में 2018-19 की उपलब्धियों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुये देश में चल रही प्रजनक बीज उत्पादन इकाइयों के बारे में विस्तार से चर्चा की। इससे पूर्व हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने अतिथियों एवं उपरोक्त वार्षिक बैठक में उपस्थित हुये कृषि वैज्ञानिकों का स्वागत किया जबकि कार्यक्रम के अंत में कृषि कॉलेज के डीन डॉ. केएस ग्रेवाल ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

बीज विज्ञान एंव प्रौद्योगिकी विभाग के प्रभारी डॉ.वीपीएस सांगवान ने बताया कि इस तीन दिवसीय बैठक में कुल 10 तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिनमें उत्तम बीज उत्पादन, गुणवता, प्रसंस्करण, परिक्षण, बीज रोग एवं कीट विषयों पर विचार-विमर्श किया जायेगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....पंजाब केसरी....

दिनांक ..8.4.2019.. पृष्ठ सं. ..2.. कॉलम ..4-6..

200 कृषि वैज्ञानिक बीज परियोजना की समीक्षा करने में जुटे

हकृवि में आरम्भ हुई अखिल भारतीय समन्वित शोध परियोजना-राष्ट्रीय बीज परियोजना की बैठक

मंच पर उपस्थित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डा. त्रिलोचन महापात्रा एवं अन्य।

हिसार, 7 अप्रैल (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आज आरम्भ हुई अखिल भारतीय समन्वित शोध परियोजना-राष्ट्रीय बीज परियोजना (फसल) की 34वीं वार्षिक समूह बैठक एवं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की बीज परियोजना की 14वीं वार्षिक समीक्षा बैठक में देशभर से लगभग 200 कृषि वैज्ञानिक शामिल हुए। भारतीय बीज विज्ञान संस्थान, मऊ (उत्तर प्रदेश) तथा चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस 3 दिवसीय वार्षिक समूह बैठक में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डा. त्रिलोचन महापात्रा मुख्यातिथि थे। उन्होंने किसानों को उत्तम गुणवत्ता के बीज उपलब्ध करवाने के लिए बीजों की उपलब्धता के साथ-साथ नाभिक और प्रजनक बीजों की गुणवत्ता प्रबंधन पर जोर दिया। इस अवसर पर कृषि एवं सहकारिता विभाग, भारत सरकार के संयुक्त सचिव (बीज) अश्विनी कुमार और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अतिरिक्त महानिदेशक (बीज) डा. देवेन्द्र कुमार यादव विशिष्ट अतिथि थे। भारतीय बीज विज्ञान संस्थान, मऊ के निदेशक डा. दिनेश कुमार अग्रवाल ने बीज परियोजना एवं शोध में 2018-19 की उपलब्धियों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की।

बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के प्रभारी डा.वी.पी.एस. सांगवान ने बताया कि इस 3 दिवसीय बैठक में कुल 10 तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे जिनमें उत्तम बीज उत्पादन, गुणवत्ता, प्रसंस्करण, परीक्षण, बीज रोग एवं कीट विषयों पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....हरि भूमि....
दिनांक ..8.4.2019.. पृष्ठ सं. ...12... कॉलम ...4-8...

'मुनाफा कमाने के लिए अच्छी किस्म का बीज खरीदें'

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आज आरम्भ हुई अखिल भारतीय समन्वित शोध परियोजना-राष्ट्रीय बीज परियोजना (फसल) की 34वीं वार्षिक समूह बैठक एवं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् की बीज परियोजना की 14वीं वार्षिक समीक्षा बैठक में देशभर से लगभग 200 कृषि वैज्ञानिक शामिल हुए। भारतीय बीज विज्ञान संस्थान, मऊ (उत्तर प्रदेश) तथा हकृवि द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस तीन द्विसीय वार्षिक समूह बैठक में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के महानिदेशक डॉ. त्रिलोचन महापात्रा मुख्य अतिथि थे। उन्होंने उद्घाटन भाषण में उत्तम बीज को कृषि का आधार बताया। उन्होंने कहा किसान की फसल उत्पादकता और मुनाफा अच्छी किस्म के बीज पर निर्भर करते हैं और देश का खाद्यान्न भंडार बीज कार्यक्रम पर निर्भर करता है। इसी के मद्देनजर उत्तम किस्मों के बीजों का विकास कर किसानों को दिए जाते हैं। उन्होंने किसानों को उत्तम गुणवत्ता के बीज उपलब्ध करवाने के लिए बीजों की उपलब्धता के साथ नाभिक और प्रजनक बीजों की गुणवत्ता प्रबंधन पर जोर दिया। उन्होंने इस अवसर पर दो पुस्तकों का भी विमोचन किया। इस अवसर पर केंद्रीय कृषि एवं सहकारिता विभाग के संयुक्त सचिव (बीज) अश्विनी कुमार और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अतिरिक्त महानिदेशक(बीज) डॉ. देवेन्द्र कुमार यादव विशिष्ट अतिथि थे। अश्विनी कुमार ने अपने संबोधन में कृषि वैज्ञानिकों से प्रजनक बीज उत्पादन बढ़ाने का आह्वान किया जबकि डॉ. देवेन्द्र कुमार यादव ने बीज अनुसंधान एवं बीज कार्यक्रम को प्राथमिकता दिए जाने पर बल दिया। भारतीय बीज विज्ञान संस्थान, मऊ के निदेशक डॉ. दिनेश कुमार अग्रवाल ने बीज परियोजना एवं शोध में 2018-19 की उपलब्धियों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। इससे पहले हकृवि अनुसंधान निदेशक डॉ. एस के सहरावत ने अतिथियों एवं उपरोक्त वार्षिक बैठक में उपस्थित कृषि वैज्ञानिकों का स्वागत किया। बीज विज्ञान एंव प्रौद्योगिकी विभाग के प्रभारी डा.वी.पी.एस. सांगवान ने बताया कि इस तीन द्विसीय बैठक में कुल 10 तकनीकी सत्र आयोजित किये जायेंगे जिनमें उतम बीज उत्पादन, गुणवता, प्रसंस्करण, परिक्षण, बीज रोग एवं कीट विषयों पर विचार-विमर्श किया जायेगा। इसके अतिरिक्त किसानों की बीजों से संबंधित समस्याओं पर भी विस्तारपूर्वक चर्चा की जाएगी। इस अवसर पर कुलपति के विशेष कार्य अधिकारी तथा कुलसचिव सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों के डीन, डायरेक्टर, विभागाध्यक्ष उपस्थित थे।

■ हकृवि में आरम्भ हुई अखिल भारतीय समन्वित शोध परियोजना-राष्ट्रीय बीज परियोजना की बैठक

हिसार। मंच पर उपस्थित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के महानिदेशक डॉ. त्रिलोचन महापात्रा एवं अन्य।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक जागरण

दिनांक 8.4.2019 पृष्ठ सं. 19 कॉलम 6-8

उत्तम बीज कृषि का आधार, इसी पर निर्भर करता है अधिक उत्पादन और मुनाफा

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में रविवार को राष्ट्रीय बीज परियोजना (फसल) की 34वीं वार्षिक समूह बैठक एवं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् की बीज परियोजना की 14वीं वार्षिक समीक्षा बैठक का शुभारंभ हुआ।

इस बैठक में देशभर से लगभग 200 कृषि वैज्ञानिकों ने हिस्सा लिया। भारतीय बीज विज्ञान संस्थान, मऊ (उत्तर प्रदेश) और चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस तीन दिवसीय वार्षिक समूह बैठक में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के महानिदेशक डा. त्रिलोचन महापात्रा मुख्य अतिथि थे।

उन्होंने उत्तम बीज को कृषि का आधार बताते हुए कहा कि किसान की फसल उत्पादकता और मुनाफा अच्छी किस्म के बीज पर निर्भर करते हैं और देश का खाद्यान्न भंडार बीज कार्यक्रम पर निर्भर करता है।

इसी के मद्देनजर उत्तम किस्मों के बीजों का विकास करके किसानों को दिये जाते हैं। उन्होंने किसानों को उत्तम गुणवत्ता के बीज उपलब्ध करवाने के लिए बीजों की उपलब्धता के साथ-साथ नाभिक और प्रजनक बीजों की गुणवत्ता प्रबंधन पर जोर दिया।

प्रजनक बीज उत्पादन इकाइयों पर हुई चर्चा

कार्यक्रम में कृषि एवं सहकारिता विभाग, भारत सरकार के संयुक्त सचिव (बीज) अश्विनी कुमार और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के अतिरिक्त महानिदेशक (बीज) डा. देवेन्द्र कुमार यादव विशिष्ट अतिथि थे। भारतीय बीज विज्ञान संस्थान, मऊ के निदेशक डा. दिनेश कुमार अग्रवाल ने बीज परियोजना एवं शोध में 2018-19 की उपलब्धियों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए देश में चल रही प्रजनक बीज उत्पादन इकाइयों के बारे में विस्तार से चर्चा की। इससे पूर्व हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डा. एसके सहरावत ने अतिथियों और कृषि वैज्ञानिकों का स्वागत किया। जबकि कृषि कालेज के डीन डा. केएस ग्रेवाल ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

10 तकनीकी सत्र किए जाएंगे आयोजित

बीज विज्ञान एंव प्रौद्योगिकी विभाग के प्रभारी डा. वीपीएस सांगवान ने बताया कि इस तीन दिवसीय बैठक में कुल 10 तकनीकी सत्र आयोजित किये जायेंगे, जिनमें उत्तम बीज उत्पादन, गुणवता, प्रसंस्करण, परीक्षण, बीज रोग एवं कीट विषयों पर विचार-विमर्श किया जायेगा। इसके अतिरिक्त किसानों की बीजों से सम्बन्धित समस्याओं पर भी विस्तार-पूर्वक चर्चा की जाएगी। इस दौरान कुलपति के विशेष कार्य अधिकारी और कुलसचिव सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न कालेजों के डीन, डायरेक्टर, विभागाध्यक्ष एवं वैज्ञानिक मौजूद थे।